YOJANASEWA.COM

https://yojanasewa.com

MP Weather अगले 24 घंटे भारी! 10 जिलों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

विषय सूची (Table of Contents):

>> मध्य प्रदेश में फिर सक्रिय हुआ मानसून कई जिलों में भारी बारिश और आंधी-तूफान की ...

>> मानसून का नया स्पेल और मौसमी बदलाव...

>> प्रदेश में अब तक 13 प्रतिशत कम वर्षा जानिए जून की सुस्ती का मानसून पर असर...

>> जून की सुस्ती का वर्षा आंकड़ों पर प्रभाव...

>> इंदौर और बुरहानपुर में झमाझम बारिश, जानें कहां-कहां मेहरबान हुए बादल...

>> प्रमुख जिलों में बारिश का ताज़ा आंकड़ा (Rainfall List 2026)...

>> खरगोन, खंडवा और अलीराजपुर में अब भी सूखे के हालात, बारिश का इंतजार जारी...

>> सबसे कम वर्षा वाले जिलों की स्थिति...

>> अगले 24 घंटों का अलर्ट राजगढ़, झाबुआ और मंदसौर समेत इन जिलों में मूसलाधार बारिश...

>> भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी वाले जिले...

>> भोपाल-उज्जैन सहित कई जिलों में गरज-चमक के साथ 50 Km h की रफ्तार से हवाओं की संभा...

>> येलो अलर्ट के तहत आने वाले प्रमुख क्षेत्र...

>> मौसम की मुख्य विशेषताएं ...

>> मौसम विभाग की महत्वपूर्ण एडवाइजरी आकाशीय बिजली से बचें, किसानों और आम जनता के ल...

>> सुरक्षा के लिए क्या करें और क्या न करें...

>> निष्कर्ष...

>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)...

MP Weather Update 2026:मध्य प्रदेश में मानसून की सुस्ती अब खत्म होने जा रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की ताज़ा अपडेट (Latest Update) के अनुसार, राज्य में एक बार फिर मानसून सिस्टम पूरी तरह सक्रिय हो गया है। आने वाले दिनों में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों, खासकर पश्चिम-मध्य और पूर्वी मध्य प्रदेश में मूसलाधार बारिश का दौर शुरू होने की प्रबल संभावना है।

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगस्त के मध्य तक राज्य के अधिकांश इलाकों में बारिश का आंकड़ा सामान्य स्तर तक पहुंच जाएगा। इस मौसमी बदलाव को देखते हुए किसानों और आम लोगों को पल-पल की मौसम रिपोर्ट पर नज़र बनाए रखने की सलाह दी गई है।

मध्य प्रदेश में फिर सक्रिय हुआ मानसून: कई जिलों में भारी बार

मौसम विभाग द्वारा जारी ताज़ा बुलेटिन के अनुसार, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आ रही नमी के कारण मध्य प्रदेश के

वायुमंडल में एक नया वेदर सिस्टम आकार ले चुका है। इसके असर से राज्य के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक अच्छी बारिश देखने को मिलेगी।

मानसून का नया स्पेल और मौसमी बदलाव

शनिवार को पश्चिम मध्य प्रदेश के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम दर्ज की गई, जिससे तापमान में गिरावट आई है। राजधानी भोपाल में सुबह से ही बादलों का डेरा जमा रहा और दिनभर रुक-रुककर हल्की फुहारें पड़ती रहीं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह सक्रियता आने वाले 48 से 72 घंटों में और तेज़ होने वाली है।

>> पश्चिम-मध्य एमपी:सामान्य से अधिक भारी बारिश की संभावना।

>> पूर्वी एमपी:कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ मूसलाधार वर्षा।

>> अगस्त का पूर्वानुमान:अगस्त के मध्य तक राज्य भर में बारिश की रिकवरी होने की उम्मीद।

प्रदेश में अब तक 13 प्रतिशत कम वर्षा: जानिए जून की सुस्ती का

मानसून सीजन 2026 की शुरुआत मध्य प्रदेश के लिए थोड़ी धीमी रही थी। जून के महीने में उम्मीद के मुताबिक बादल नहीं बरसे, जिसका असर कुल बारिश के आंकड़ों पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। वर्तमान स्थिति (Status Check) की बात करें तो पूरे प्रदेश में औसतन 13% कम बारिश दर्ज की गई है।

जून की सुस्ती का वर्षा आंकड़ों पर प्रभाव

जून में मानसून की रफ्तार धीमी रहने की वजह से राज्य के कई हिस्सों में जल निकायों का जलस्तर पूरी तरह नहीं बढ़ पाया था। हालांकि, मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि अगस्त की शुरुआत में हो रही यह बारिश पिछले घाटे को काफी हद तक पूरा कर देगी।

मौसम के पिछले पैटर्न की जानकारी के लिए आपकल का मौसम 29 जून: भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट, रहें सावधान!रिपोर्ट भी पढ़ सकते हैं।

इंदौर और बुरहानपुर में झमाझम बारिश, जानें कहां-कहां मेहरबान

जहां एक तरफ प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश की कमी है, वहीं मालवा-निमाड़ अंचल के कुछ जिलों पर इंद्रदेव काफी मेहरबान रहे हैं। इंदौर और बुरहानपुर जिले में इस बार मानसून का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है।

प्रमुख जिलों में बारिश का ताज़ा आंकड़ा (Rainfall List 2026)

इंदौर शहर और आसपास के इलाकों में अब तक लगभग17.5 इंचबारिश दर्ज की जा चुकी है, जिससे वहां के नदी-नाले उफान पर हैं और जलाशयों में पानी की आवक तेज़ी से हुई है।

>> बुरहानपुर:सीजन की कुल औसत बारिश का लगभग 77 प्रतिशत कोटा पूरा हो चुका है।

>> इंदौर:17.5 इंच बारिश के साथ बेहतर स्थिति में।

>> भोपाल:लगातार बादलों की मौजूदगी और हल्की बारिश से मौसम खुशनुमा।

खरगोन, खंडवा और अलीराजपुर में अब भी सूखे के हालात, बारिश का

एक ही राज्य में बारिश का यह असमान वितरण चिंता का विषय बना हुआ है। जहां इंदौर और बुरहानपुर में झमाझम बारिश हो रही है, वहीं पड़ोसी जिलों में सूखे जैसे हालात बने हुए हैं। किसान उत्सुकता से आसमान की ओर देख रहे हैं ताकि उनकी फसलों को संजीवनी मिल सके।

सबसे कम वर्षा वाले जिलों की स्थिति

नमिाड़ अंचल के खरगोन, खंडवा और बड़वानी जिलों में अब तक उम्मीद से काफी कम वर्षा दर्ज की गई है। यहां के जलस्रोतों में पानी का स्तर चिंताजनक रूप से कम है।

पूरे प्रदेश में सबसे खराब स्थितिअलीराजपुर जिलेकी है, जहां इस मानसून सीजन में अब तक केवल लगभग10 इंचबारिश ही दर्ज हो सकी है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि इन जिलों में आगामी दिनों में होने वाली भारी बारिश बेहद जरूरी है। देश के अन्य राज्यों के मौसम का हाल जानने के लिए18 जुलाई का मौसम: दिल्ली-UP समेत 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट!पढ़ें।

अगले 24 घंटों का अलर्ट: राजगढ़, झाबुआ और मंदसौर समेत इन जिलो

मौसम केंद्र भोपाल द्वारा जारी ताज़ा पूर्वानुमान (PDF Alert) के मुताबिक, राज्य के 10 से अधिक जिलों में भारी से अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने और आंधी-तूफान की प्रबल आशंका जताई गई है।

YOJANASEWA.COM

https://yojanasewa.com

भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी वाले जिले

निम्न जिलों में कुछ स्थानों पर तेज मूसलाधार बारिश के साथ40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटेकी गति से तूफानी हवाएं चल सकती हैं:

>> राजगढ़ और आगर मालवा

>> झाबुआ और अलीराजपुर

>> रतलाम, मंदसौर और नीमच

>> गुना, शिवपुरी और श्योपुर कलां

यह भी पढ़ें:किराना दुकान में टॉफी के साथ बिक रहा था गांजा और बीयर, पुलिस का छापा!

भोपाल-उज्जैन सहित कई जिलों में गरज-चमक के साथ 50 Km h की रफ्

भारी बारिश के अलर्ट वाले जिलों के अलावा, प्रदेश के शेष बड़े हिस्से में मध्यम से तेज बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां देखने को मिलेंगी। इन इलाकों में हवा की रफ्तार 30 से 40 किमी घंटा तक रह सकती है।

येलो अलर्ट के तहत आने वाले प्रमुख क्षेत्र

मौसम विभाग ने भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, इंदौर, उज्जैन, देवास, ग्वालियर, रीवा, सतना, जबलपुर, सागर, छतरपुर, बालाघाट, मंडला, छिंदवाड़ा और सिवनी जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है।

मौसम की मुख्य विशेषताएं:

>> हवा की गति:30 से 50 किमी घंटा की तूफानी रफ्तार।

>> आकाशीय स्थिति:घने काले बादलों की आवाजाही और बिजली कड़कना।

>> तापमान:दिन के तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट।

मौसम विभाग की महत्वपूर्ण एडवाइजरी: आकाशीय बिजली से बचें, किस

खराब मौसम और तेज आंधी-तूफान के खतरे को देखते हुए आपदा प्रबंधन और मौसम विभाग ने आम नागरिकों तथा कृषक समुदाय के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है।

सुरक्षा के लिए क्या करें और क्या न करें

>> खुले मैदानों से दूर रहें:बारिश और बिजली कड़कने के दौरान खुले मैदानों या खेतों में खड़े न रहें।

>> पेड़ों के नीचे शरण न लें:आकाशीय बिजली अक्सर ऊंचे पेड़ों पर गिरती है, इसलिए पेड़ के नीचे न रुकें।

>> बिजली के खंभों से दूरी:धातु के ढांचे, बिजली के खंभों और तारों से दूर रहें।

>> किसानों के लिए सलाह:मौसम का ताज़ा पूर्वानुमान (Status Forecast) देखकर ही खेतों में दवा छिड़काव या कटाई-बुआई का काम करें।

निष्कर्ष

मध्य प्रदेश में मानसून की यह री-एंट्री किसानों के चेहरे पर मुस्कान वापस ला सकती है। हालांकि, भारी बारिश और बिजली गिरने के जोखिम को देखते हुए सतर्कता बरतना बेहद आवश्यक है। मौसम विभाग की चेतावनियों पर ध्यान दें और अनावश्यक यात्राओं से बचें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, मध्य प्रदेश में मानसून सिस्टम फिर से सक्रिय हो गया है और अगले 24 से 48 घंटों में कई जिलों में भारी बारिश शुरू हो जाएगी।

राजगढ़, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, शिवपुरी और श्योपुर जिलों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है।

जून महीने में धीमी शुरुआत के कारण चालू मानसून सीजन में अब तक राज्य में औसतन 13 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।

इंदौर में इस सीजन में अब तक लगभग 17.5 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो एक काफी अच्छा आंकड़ा है।

सबसे कम बारिश अलीराजपुर जिले में रिकॉर्ड की गई है, जहां अब तक केवल करीब 10 इंच बारिश दर्ज हुई है।

भोपाल और उज्जैन में बादल छाए रहेंगे, गरज-चमक के साथ बारिश होगी और 30 से 40 किमी घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं।

बुरहानपुर में मानसून काफी मेहरबान रहा है और वहां सीजन की लगभग 77 प्रतिशत बारिश पहले ही हो चुकी है।

भारी बारिश वाले जिलों में हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किमी घंटा और अन्य क्षेत्रों में 30 से 40 किमी घंटा रहने का अनुमान है।

बिजली चमकने पर खुले मैदान, ऊंचे पेड़ों और बिजली के खंभों के पास बिल्कुल न खड़े हों तथा पक्के मकानों में शरण लें।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अगस्त के मध्य तक पूरे राज्य में सामान्य बारिश होने की उम्मीद है जिससे 13% का घाटा कवर हो जाएगा।

किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम का ताज़ा पूर्वानुमान देखकर ही फसलों में सिंचाई, कीटनाशक छिड़काव या कृषि कार्य करें।